महाकाल की लगन

मोहे लागी रे लगन महाकाल की लगन
तुम्हारे नाम से किस्मत मेरी सजा लू मैं-2
तुम्हारे चरणों को ही अपना घर बना लू मैं,
मुझे कर गई मगन-2 महाकाल की लगन।

1:– मेरी लगन सहारा बन मुझे संभालेगी ,
मेरी बलाए मेरे दुख लगन ही टालेगी ,
मेरी लगन मेरी भक्ति का ये सिला देगी-2
मेरे महाकाल से मुझको भी ये मिला देगी ,
दे गई दीवानापन -2 महाकाल की लगन।
मोहे लागी रे......

2 :– आता हूं दर तेरे पल भर के लिए ,
थोड़ा अपने लिए थोड़ा घर के लिए ,
अपनी किस्मत पर तेरी नजर के लिए ,
सामने तेरे दुनिया को भूल जाऊ में -2
तेरा हो जाता हु उम्र भर के लिए ,
बदल गया ये जीवन-2 महाकाल की लगन।
मोहे लागी रे......

3:– मैं धूल बनके तेरी राह में बिखर जाऊं ,
मैं फूल बनके तेरी राह में बिखर जाऊं,
रहू मैं पास तेरे भक्ति ऐसी कर जाऊं-2
तेरे चरणों से लगके भोले मैं भी तर जाऊं,
भक्तिमय करे है मन-2 महाकाल की लगन ।
मोहे लागी रे......।

मोहे लागी रे लगन महाकाल की लगन .....।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33123/title/Mahakaal-Ki-Lagan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |